



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 32] नई दिल्ली, अगस्त 6—अगस्त 12, 2006, शनिवार/आषाढ़ 15—आषाढ़ 21, 1928

No. 32] NEW DELHI, AUGUST 6—AUGUST 12, 2006, SATURDAY/SRAVANA 15—SRAVANA 21, 1928

इस भाग में यिन् पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह पृष्ठ संख्या के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—ठाय—खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और बैन्द्रीय अधिकारियों (सेवा राज्य द्वारा प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अंतर्गत चालू और जारी किए वह सरकारी साधित नियम (यिन्हें संकेत द्वारा प्रकाश के अद्देश), उप-नियम आदि संबोधित हैं।

General Statutory Rules (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2006

सं.क्र.पि. 199.—केन्द्रीय सरकार, सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 47) की वाय 141 की तरफ द्वारा (2) के खंड (ख) और खंड (ग) द्वारा प्रदत्त संवितों का प्रयोग करते हुए सीमा सुरक्षा बल स्कॉप (समूह 'जा' ओष्ठ तकनीकी स्टाफ) भर्ती नियम 2005 का संतोषित करने के लिए नियन्त्रिति नियम इनामों, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संवित वाय सीमा सुरक्षा बल स्कॉप (समूह 'जा' ओष्ठ तकनीकी स्टाफ) भर्ती (संतोष) नियम, 2006 है।
- (2) ये उपकार में प्रदूषण की जांच से प्रदूषण होते।

2. सीमा सुरक्षा बल स्कॉप (समूह 'जा' ओष्ठ तकनीकी स्टाफ) भर्ती नियम 2005 में, नियम 4 के प्रवाह, नियन्त्रिति नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“अब, अब स्कॉप साकार में अपेक्षा—स्कॉप स्कॉप में जारी हो जाएंगे अधिकारी अब स्कॉप कानून में अपेक्षा अप्रतिसंहितीय विवरण का प्रयोग करेंगे।”

[प्र. नं. 17/23/2006—सर्विय/सीमा]

मनोद अध्यक्ष, नियन्त्रक (कार्यालय)

टिप्पणी: मूल नियम भारत के उपकार वाय-II खंड-3 उप-खंड (I) में जारी नि संख्या 232 वर्ष 29 जून, 2005 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 10th August, 2006

G.S.R. 199.—In exercise of the powers conferred by clauses (b) and (c) of sub-section (2) of Section 141 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Border Security Force Water Wing (Group 'B' Combatized Technical Staff) Recruitment Rules, 2005, namely:—

1. (1) These rules may be called the Border Security Force, Water Wing (Group 'B' Combatized Technical Staff) Recruitment (Amendment) Rules, 2006.

(2) They shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.

2. In the Border Security Force Water Wing (Group 'B' Combatised Technical Staff) Recruitment Rules, 2005, after rule 4, the following rule shall be inserted, namely :—

"4A. Absorption in Water Wing Cadre.—Officers already working in Water Wing shall exercise their irrevocable option for absorption in Water Wing Cadre."

[F.No. 17/25/2006-Pers/BSF]

MANOJ AGGARWAL, Director (Personnel)

Note.—The principal rules were published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 232 dated the 29th June, 2005.

वाणिज्य और उद्योग मंशालय

(अधिकारीगत सीरिज और संबद्धन विभाग)

(कल्पित वैद्यनारायणी)

नई दिल्ली २ अगस्त २०१८

सा.का. नि. 200.—भारतीय बॉयलर विनियमावली, 1950 में आगे संशोधन करने हेतु, जिसे भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रक्रम करते हुए, केंद्रीय बॉयलर बोर्ड द्वारा किये जाने का प्रस्ताव है, कुछ विनियमों से संबंधित निम्नलिखित मसोदा एवंद्वारा उन सभी व्यक्तियों के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, जिनकी इससे प्रभावित होने की संधारणा है, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 31 की उप-धारा (1) के तहत अपेक्षित है और, एवंद्वारा नोटिस दिया जाता है कि उक्त मसोदे पर उस तारीख से पैंतीलीस दिन बीत जाने के बाद विचार किया जाएगा, जिस तारीख को इस अधिसूचना के प्रकाशन घाटा राजपत्र जनता को उपलब्ध कराया जाएगा।

2. उक्त मसौदे मन्दिरिष्ट समस्त आपलिंबों अथवा सुझावों पर जो विनिर्दिष्ट की गई अधिक के भीतर किसी भी घटित से प्राप्त होंगे केंद्रीय बोयलर बोर्ड विचार करेगा।

3. आपत्तियां और सुझाव, यदि कोई हैं, सचिव, केंद्रीय बौद्धिक बोर्ड, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को भेजें जरूर।

प्रसादां विनियम

- (1) इन विनियमों को भारतीय बॉयलर (हितीय संशोधन) विनियम, 2006 कहा जाए।
 - (2) ये शासकीय यांत्रिक में अलिंग लक्षण से उत्पादन के परवात लागू हो जाएंगे।
 2. भारतीय बॉयलर विनियमावली, 1950 में (इसके परवात इसे यहां उक्त विनियमावली कहा जाएगा), विनियम 376 में खंड (च च) के परवात निम्नलिखित जोड़ा जाएगा. नम्रत :

"(चक्र) अनन्य रूप से निरंतर प्रक्रिया अवैज्ञानिक में प्रयोग किए जाने वाले आंतरिक बॉयलरों और वेस्ट हाई बॉयलरों (फायर्हॉट और अनफायर्हॉट) के लिए परिशिष्ट ज ख के उत्पादों के अनुसार निरीक्षण किया जाएगा। क्षयकारी वातावरण, जैसे कि गंधक के अस्त्र के संयंत्रों, में प्रयोग किए जाने वाले बॉयलरों की परिशिष्ट ज ख के उत्पादों में शामिल नहीं किया जाएगा।"

3. इक्षु विनियोगाधारी में विनियम 377 के अन्तर्गत अंड (स) के प्रधान नियमिति संहार जोड़ा जाएगा ताकि :-

“(ग) अन्य रूप से निरंतर प्रक्रिया संरचनाएँ ये प्रयोग किए जाने वाले आंतरिक बॉयलरों और वेस्ट हीट बॉयलरों (फार्मर्ड और अनफार्मर्ड) को प्रतिवर्ष प्रमाणित जारी रखने के लिए शास्त्रोत्तरिक रूप से जारीकर्ता की आवश्यकता नहीं है।”

बुश्टर ऐसे बायोलॉगों का निरीक्षण विनियम 35 के व्यवहारों के अनुसार किया जाए।

4. उक्त विनियमावली में फार्म XIX में, "परिशिष्ट 'जे' के तहत प्रमाणन के बारह माह पश्चात् बॉयलरों के निरीक्षण हेतु आवेदन के साथ और प्रस्तुत किए जाएंगे शब्दों और असरों के स्थान पर ये शब्द और असर प्रतिस्पष्टित किए जाएंगे "परिशिष्ट" "जे" और परिशिष्ट "जेरी" के तहत प्रमाणन के बारह माह पश्चात् बॉयलरों के निरीक्षण हेतु आवेदन के साथ और प्रस्तुत किए जाएंगे।"

5. उक्त विनियमावली में, विनियम 385 में निम्नलिखित विविध प्रतिस्पष्टित किया जाएगा, नामतः

"385 पंचीकरण शुल्क.—अधिनियम की घारा 7 की उप-घारा (1) के अंतर्गत प्रार्थना-पत्र के साथ दिया जाने वाला शुल्क इस प्रकार होगा :—

बायलर रेटिंग 10 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	720 रुपये
बायलर रेटिंग 10 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 30 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	960 रुपये
बायलर रेटिंग 30 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 50 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1080 रुपये
बायलर रेटिंग 50 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 70 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1320 रुपये
बायलर रेटिंग 70 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 90 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1560 रुपये
बायलर रेटिंग 90 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 110 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1800 रुपये
बायलर रेटिंग 110 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 200 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	2040 रुपये
बायलर रेटिंग 200 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 400 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	2280 रुपये
बायलर रेटिंग 400 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 600 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	2640 रुपये
बायलर रेटिंग 600 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 800 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	2880 रुपये
बायलर रेटिंग 800 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 1000 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	3240 रुपये
बायलर रेटिंग 1000 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 1200 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	3840 रुपये
बायलर रेटिंग 1200 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 1400 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	4320 रुपये
बायलर रेटिंग 1400 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 1600 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	5040 रुपये
बायलर रेटिंग 1600 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 1800 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	5400 रुपये
बायलर रेटिंग 1800 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 2000 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	6000 रुपये
बायलर रेटिंग 2000 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 2200 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	6480 रुपये
बायलर रेटिंग 2200 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 2400 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	7200 रुपये
बायलर रेटिंग 2400 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 2600 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	7560 रुपये
बायलर रेटिंग 2600 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 2800 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	8160 रुपये
बायलर रेटिंग 2800 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 3000 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	8640 रुपये

3000 वर्ग मीटर से अधिक, प्रत्येक 200 वर्ग उपर्योग पर, 240 रुपये अद्वितीय शुल्क देय होगा।

"बल्त, मुख्य निरीक्षक यह निर्देश दे कि अधिनियम की घारा 14 की उप-घारा (2) के अनुसार यह आवेदन के संर्वप में कोई शुल्क देय नहीं होगा,"

6. उक्त नियमावली में विनियम 395 में खंड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्पष्टित किया जाएगा नामतः—

(ख) (i) स्टीम चाउलों की विभिन्न शुल्क के दो पहले, स्टीमो, डिस्कल और स्टीम पाइपों की चौकड़ा एवं विवरणों की जांच का शुल्क 30 मीटर पाइपिंग वा उपर्योग के द्वारा 40 रुपये की दर से होगे, यित्थ पर 60/- रुपये की न्यूलाइट रार्ट लागू होनी और इसमें दी-सुपरट्रीट्स, स्टीम रिसीवर, चैम्प हीटर और फैरेट्रेट्री फार्मर्ड हीटर्स जैसी किटिंग्स को छोड़कर सभी किटिंग्स रार्टिंग लागू होगी। दी-सुपरट्रीट्स, स्टीम रिसीवर, रेसेटर और चैम्प जैसी सभी किटिंग्स के लिए शुल्क देसी साला किटिंग्स की प्रत्येक देसी हेतु 180/- रुपये होगा।

(ii) स्टीम चाउलों की ही अटल चैम्प हेतु चाँच का शुल्क प्रति 30 चैम्प अटलिंग वा उपर्योग के लिए हेतु 30/- रुपये होगा, यित्थ पर 60/- रुपये न्यूलाइट रार्ट लागू होनी और इसमें दी-सुपरट्रीट्स, स्टीम रिसीवर, चैम्प हीटर और फैरेट्रेट्री फार्मर्ड हीटर्स जैसी किटिंग्स को छोड़कर सभी किटिंग्स रार्टिंग के लिए शुल्क देसी किटिंग्स के लिए 180/- रुपये होगा।

7. उक्त रेग्लेशन में रेग्लेशन 395 ए में,—

(i) उप-रेग्लेशन (3) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(3) ट्यूब व पाईप के निरीक्षण के लिये, 180/-रुपये प्रति मीट्रिक टन व उसके अंश की दर से शुल्क लगाई जायेगी।”

(ii) उप-रेग्लेशन (6) के स्थान पर निम्नलिखित उप-रेग्लेशन प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(6) फोर्ड पाईप फिटिंग के अतिरिक्त अन्य पाईप फिटिंग के लिये निम्नलिखित शुल्क लगाई जायेगी :—

(अ) 50 मिमी. तक के, 100 मि. किलो या उसका अंश: 60/-रुपये

(ब) 50 मिमी. से अधिक व 100 मिमी. तक, 450 किलो या उसका अंश: 300/-रुपये

(स) 100 मिमी. से अधिक 900 किलो या उसका अंश: 600/-रुपये

8. उक्त रेग्लेशन 395 मी के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“395 ची-पाईपों की निरीक्षण शुल्क :—

(अ) 100 मिमी. नॉर्मीनल बोर से अधिक नहीं वाले पाईप, ढी-सुपरहीटर्स, स्टीम रिसीवर, फीड हीटर और सैपरेटली फायर्ड सुपरहीटर जैसी फिटिंग्स के अतिरिक्त अन्य सभी फिटिंग्स सहित, 30 मीटर पाईप व उसके अंश के लिये, शुल्क 250/- रुपये देय होगी।

(ब) 100 मिमी. नॉर्मीनल बोर से अधिक वाले पाईप, ढी-सुपरहीटर्स, स्टीम रिसीवर, फीड हीटर व सैपरेटली फायर्ड सुपर-हीटर के अतिरिक्त अन्य सभी फिटिंग्स सहित, 3 मीटर पाईप व उसके अंश के लिये, शुल्क 600/-रुपये देय होगी।

(स) फीड बाटर हीटर, ढी-सुपरहीटर्स, स्टीम रिसीवर, सैपरेटर व सैपरेटली फायर्ड सुपर-हीटर जैसी फिटिंग्स के लिये, प्रत्येक ऐसी फिटिंग के लिये शुल्क 600/-रुपये देय होगी।

9. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 395 सी के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“395 सी वाल्व के निरीक्षण के लिये शुल्क—वाल्व के निरीक्षण के लिए निम्न प्रकार से लगाई जायेगी :—

(1) वाल्वों के प्रति निरीक्षण की शुल्क न्यूनतम 600 रुपये होते हुए, निरीक्षण शुल्क निम्न प्रकार से लगाई जायेगी :—

(अ) 25 मिमी. तक 10 रुपये प्रति नग

(ब) 25 मिमी. से अधिक व 100 मिमी. तक 30 रुपये प्रति नग

(स) 100 मिमी. से अधिक व 250 मिमी. तक 180 रुपये प्रति नग

(द) 250 मिमी. से अधिक 480 रुपये प्रति नग

(2) फ्लेंचों की निरीक्षण शुल्क निम्न रूप से लगाई जायेगी :—

(i) फोर्ड व कास्ट फ्लैंच

(अ) 25 मिमी. तक, 50 फ्लेंचों की खोप व उसके भाग के लिए 150/- रुपये

(आ) 25 मिमी. तक, 100 फ्लेंचों की खोप या उसके भाग के लिए 260/- रुपये

(इ) 25 मिमी. से अधिक व 50 मिमी. तक 50 फ्लेंचों की खोप या उसके भाग के लिए 290/- रुपये

(ई) 50 मिमी. से अधिक व 100 मिमी. तक, 25 फ्लेंचों की खोप या उसके भाग के लिए 290/- रुपये

(उ) 100 मिमी. से अधिक व 250 मिमी. तक, 10 फ्लेंचों की खोप या उसके भाग के लिए 310/- रुपये

(ऊ) 250 मिमी. से अधिक 5 फ्लेंचों की खोप या उसके भाग के लिए 360/- रुपये

(ii) स्लेट फ्लैंच

शुल्क फोर्ड व कास्ट फ्लैंचों पर संगाये जाने वाले शुल्क से आधी दर पर लगाई जायेगी।

10. उक्त रेग्लेशन में, रेग्लेशन 395 ची के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“395 ची-स्पेयर व स्कैटरिंग की निरीक्षण शुल्क :—

(i) स्पेयर-हर प्रकार की कॉथल, जैसे इकोनोमेट्रिकर कॉथल, सुपरहीटर कॉथल, रीहीटर कॉथल, निरीक्षण शुल्क तत्त्व खेलफल के आधार पर रेग्लेशन 385 के अनुसार लगाई जायेगी।

(2) स्कैटलिंग—स्कैटलिंग की निरीक्षण शुल्क निम्न प्रकार से लगाई जायेगी :-

(अ) बाह्य तल क्षेत्रफल 1 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	600 रुपये
(आ) बाह्य तल क्षेत्रफल 1 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 3 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	720 रुपये
(इ) बाह्य तल क्षेत्रफल 3 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 5 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	840 रुपये
(ई) बाह्य तल क्षेत्रफल 5 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 7 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1200 रुपये
(उ) बाह्य तल क्षेत्रफल 7 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 9 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1440 रुपये
(ऊ) बाह्य तल क्षेत्रफल 9 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 11 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1800 रुपये

बाह्य तल क्षेत्रफल 11 वर्ग मीटर से अधिक होने पर, प्रत्येक 2 वर्ग मीटर या उसके भाग के लिये, 60 रुपये शुल्क देय होगा जो अधिकतम 6000 रुपये तक सीमित होगा।

11. उक्त रेग्युलेशन में, विनियम 438 से 499 (दोनों सम्मिलित) तक हटा दिये जायेंगे।

12. उक्त रेग्युलेशन में, रेग्युलेशन 533 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

533 पंजीकरण-शुल्क—इकोनोमाइज़र के पंजीकरण हेतु प्रार्थना पत्र के साथ नीचे दिये हुये के अनुसार उपयुक्त शुल्क देय होगी :-

इकोनोमाइज़र रेटिंग 50 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 100 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	600 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 100 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 150 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	720 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 150 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 200 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	840 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 200 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 250 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	960 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 250 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 300 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1080 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 300 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 350 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1140 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 350 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 400 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1200 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 400 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 450 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1320 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 450 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 500 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1440 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 500 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 600 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1560 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 600 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 700 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1680 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 700 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 800 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1800 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 800 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 900 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	1920 रुपये
इकोनोमाइज़र रेटिंग 900 वर्ग मीटर से अधिक परन्तु 1000 वर्ग मीटर से अधिक नहीं	2040 रुपये
1000 से अधिक, प्रत्येक 200 वर्गमीटर या उसके अंश पर, 120 रुपये अतिरिक्त शुल्क लगाई जायेगी।"	2160 रुपये

13. उक्त रेग्युलेशन में, परिशिष्ट जे ए के पश्चात् निम्नलिखित परिशिष्ट जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“परिशिष्ट जेडी

[कृपया विनियम 376 (चर्चा) देखें]

क. निरन्तर प्रक्रिया संयंक में विशेष रूप से प्रयोग किये जा रहे 50 किंवद्ध/वर्ग से.मी. तक के दबाव पर तथा 20 वर्ष की अवधि तक काम कर रहे वेस्ट हीट बॉयलर (फार्मर्ड)/सह-बॉयलरों के लिए

(1) वेस्ट हीट बॉयलर (फार्मर्ड)/सह-बॉयलर, जो विशेष रूप से सतत प्रक्रिया संयंक में 50 किंवद्ध/वर्ग से.मी. तक के दबाव पर तथा 20 वर्ष की अवधि तक कार्य कर रहे हैं, संबंधित रुच्य के बॉयलर निरीक्षण तथा फिटनेस प्रमाण-फल दिये जाने की तारीख से 12 महीने की अवधि समाप्त हो जाने पर कार्बसाथक दबाव के समतुल्य दबाव पर इन्हें लिक परीक्षण के अधीन होंगे और नीचे दिये गये रिकार्डों के अनुसार संचालन (आपरेशन) से सन्तुष्ट हो जाने की शर्त पर बॉयलर को आगे और 12 महीने की अवधि के लिए काम करने की अनुमति दी जा सकती है:

(क) डेटा एक्सीजीशन सिस्टम (डीएस) के आउटपुट से सुपरहीट और रीहीट तापमान अनियंत्रितताओं के लिए संचालन आंकड़े।

2330 ७/७०६-२

- (ख) पिछले वर्षों के दौरान हुए शट डाउन का इतिहास उनके कारणों तथा की गई कार्रवाई के साथ।
- (ग) वर्ष के दौरान बॉयलर दाब हिस्सों पर किए गए किसी भी अविध्वंसक परीक्षण के रिकार्ड।
- (घ) बॉयलर की जरूरत के अनुसार उसके लिए जल की गुणवत्ता बनाए रखी जाए और डेटा एक्वीजीशन सिस्टम (डीएस) के जरिए गुणवत्ता के आंकड़े ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएं।
- (ङ) बॉयलर की नली फेल होने के रिकार्ड (स्थान, मरम्मत की गई/बदली गई नलियों की संख्या)

(2) चौबीस माह की अवधि समाप्त होने पर संबंधित बॉयलर निरीक्षक द्वारा निरीक्षण किया जाना चाहिए। तथापि, यदि सर्टिफिकेट प्रदान करने की अवधि के समाप्त होने से पहले और सर्टिफिकेट प्रदान करने के छः माह बाद किसी भी समय पंद्रह दिन अथवा उससे अधिक की अवधि के लिए शटडाउन की योजना बनाई गई है, तो ऐसे मामले में बॉयलर निरीक्षक को उचित रूप से सूचित किया जाना चाहिए, ताकि उक्त शटडाउन की अवधि के दौरान निरीक्षण की योजना बनाई जा सके।

ख. विशेष रूप से सतत् प्रक्रिया संयंत्र में प्रयोग किये गये 50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. तक के दबाव पर कार्य करने वाले तथा 20 वर्ष से अधिक तक कार्य करने वाले वेस्ट हीट बॉयलर (फायर्ड तथा अनफायर्ड), सह बॉयलर

50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. तक के दबाव पर तथा 20 वर्ष से भी अधिक से कार्य कर रहे बॉयलरों का बॉयलर निरीक्षक की सन्तुष्टि होने तक हर वर्ष पूर्ण निरीक्षण किया जाना जारी रहेगा। फिर भी भारतीय बॉयलर नियमावली, 1950 के उपर्योग के अनुसार यदि रेनजांट लाइफ असेसमेंट (आएएलए) बॉयलरों पर किया जाता है तो उपर्युक्त पैराग्राफ 'क' पर दी गई प्रक्रिया लागू होगी।

ग. विशेष रूप से सतत् प्रक्रिया संयंत्र में प्रयोग किये गये 50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. तक के दबाव और 20 वर्ष तक कार्य करने वाले वेस्ट हीट बॉयलर (अनफायर्ड)

(1) विशेष रूप से सतत् प्रक्रिया संयंत्र में प्रयोग किये गये वेस्ट हीट बॉयलरों का जो 50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. तक के दबाव पर तथा 20 वर्ष तक की अवधि से काम कर रहे हैं, पूर्ण निरीक्षण संबंधित रज्य में बॉयलर निरीक्षक द्वारा फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त होने की तारीख से चौबीस माह की अवधि समाप्त होने पर कार्य करने वाले दबाव के समतुल्य दबाव पर हाइड्रोलिक परीक्षण किया जाना चाहिए और पैराग्राफ क में दिए गए संचालन रिकार्ड से सन्तुष्ट हो जाने पर, उन्हें आगे बारह माह की अवधि तक और काम करने की अनुमति प्रदान की जानी चाहिए।

(2) चौबीस माह की अवधि समाप्त होने पर संबंधित बॉयलर निरीक्षक द्वारा निरीक्षण किया जाना चाहिए। तथापि, यदि सर्टिफिकेट प्रदान करने की अवधि के समाप्त होने के पहले और सर्टिफिकेट प्रदान करने के छः माह बाद किसी भी समय पंद्रह दिन अथवा उससे अधिक की अवधि के लिए शटडाउन की योजना बनाई गई है, तो बॉयलर निरीक्षक को इसकी उचित रूप से सूचना दी जानी चाहिए, ताकि उक्त शटडाउन की अवधि के दौरान निरीक्षण की योजना बनाई जा सके।

(घ) विशेष रूप से सतत् प्रक्रिया संयंत्र में प्रयोग किये गये 50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. से अधिक दबाव पर तथा 20 वर्ष तक कार्य करने वाले केप्टिव बॉयलर/वेस्ट हीट बॉयलर (फायर्ड)/एचआरएसजीएस

(1) विशेष रूप से सतत् प्रक्रिया संयंत्र में प्रयोग किये गये उप केप्टिव बॉयलर/वेस्ट हीट बॉयलर (फायर्ड)/एचआरएसजीएस, जो 50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. अथवा इससे अधिक दबाव पर और 20 वर्ष से कार्य कर रहे हैं का निरीक्षण रज्य में संबंधित बॉयलर निरीक्षक द्वारा पूर्ण निरीक्षण की तारीख से बारह महीने की अवधि के समाप्त होने के बाद निम्नानुसार विवरण के अनुसार किया जायेगा और निम्नलिखित रिकार्ड की जांच के जरिये फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा जो संचालन प्रमाण-पत्र की समाप्ति से कम से कम 30 दिन पूर्व बॉयलर के निरीक्षक को उपलब्ध कराया जायेगा बशर्ते वह इस बात से सन्तुष्ट है कि बॉयलर को आगे और 12 महीने की अवधि के लिए प्रयोग किये जाने की अनुमति दी जा सकती है।

(क) डेटा एक्वीजीशन सिस्टम (डीएस) के आउटपुट से सुपरहीटर और रीहीटर तापमान अनियमितताओं के लिए संचालन आंकड़े।

(ख) पिछले वर्षों के दौरान हुए शट डाउन का इतिहास उनके कारणों तथा की गई कार्रवाई के साथ।

(ग) वर्ष के दौरान बॉयलर दाब हिस्सों पर किए गए किसी भी अविध्वंसक परीक्षण के रिकार्ड।

(घ) बॉयलर की जरूरत के अनुसार उसके लिए बल की गुणवत्ता बनाए रखी जाए और डेटा एक्वीजीशन सिस्टम (डीएस) के जरिए गुणवत्ता के आंकड़े ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएं।

(ङ) बॉयलर की नली फेल होने के रिकार्ड (स्थान, मरम्मत की गई/बदली गई नलियों की संख्या)

(2) विनियम 390 की व्यवस्था के अनुसार 24 महीनों की अवधि समाप्त हो जाने पर बॉयलरों के निरीक्षक द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। फिर भी, यदि सर्टिफिकेट प्रदान करने की अवधि के समाप्त होने से पहले और सर्टिफिकेट प्रदान किये जाने के 6 माह बाद किसी भी समय

15 दिन अथवा उससे अधिक की अवधि के लिए शट डाटन की योजना बनाई गई है तो ऐसे मामले में बॉयलर निरीक्षक के उचित रूप से सूचित किया जाना चाहिए ताकि उक्त शट डाटन की अवधि के दौरान पूर्ण निरीक्षण की योजना बनाई जा सके।

(क) विशेष रूप से स्तर प्रक्रिया संयंत्र में प्रबोग किये गये 50 कि.ग्रा. वर्ग से.मी. से अधिक दबाव पर तथा 20 वर्ष से भी ज्यादा अवधि से कार्य करने वाले केटिव बॉयलर/वेस्ट हाईट बॉयलर (फायर्ड)/एचआरएसजीएस

50 कि.ग्रा./वर्ग से.मी. से भी अधिक दबाव पर तथा 20 वर्ष की अवधि से ज्यादा अवधि से कार्य करने वाले बॉयलरों का प्रत्येक वर्ष बॉयलर निरीक्षक की संतुष्टि के अनुसार निरीक्षण किया जाना जारी रहेगा। फिर भी, यदि भारतीय बॉयलर नियमावली, 1950 के उपबंधों के अनुसार यदि रेमनांट लाइफ असेसमेंट (आरएलए) बॉयलरों पर किया जाता है तो उपर्युक्त पैराग्राफ 'क' पर दी गई प्रक्रिया लागू होगी।

[फा. सं. 6(6)/2005-बॉयलर]

वी.के. गोयल, सचिव

टिप्पणी : मुख्य विनियमों को का.आ. 600 दिनांक 15 सितम्बर, 1950 के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था और तत्पश्चात् निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया:

1. स.का.नि. 178 दिनांक 24, मार्च, 1990;
2. स.का.नि. 179 दिनांक 24, मार्च, 1990;
3. स.का.नि. 488 दिनांक 9, अक्टूबर, 1993;
4. स.का.नि. 516 दिनांक 23, अक्टूबर, 1993;
5. स.का.नि. 634 दिनांक 25, दिसम्बर, 1993;
6. स.का.नि. 107 दिनांक 26 फरवरी, 1994;
शुद्धिपत्र स.का.नि. 223, दिनांक 14, मई 1994;
7. स.का.नि. 250 दिनांक 4 जून, 1994;
8. स.का.नि. 402 दिनांक 13 अगस्त, 1994;
9. स.का.नि. 427 दिनांक 20 अगस्त, 1994;
10. स.का.नि. 562 दिनांक 12 नवम्बर, 1994;
11. स.का.नि. 607 दिनांक 10 दिसम्बर, 1994;
12. स.का.नि. 83 दिनांक 25 फरवरी, 1995;
13. स.का.नि. 93 दिनांक 4 मार्च, 1995;
14. स.का.नि. 488 दिनांक 9 नवम्बर, 1996;
15. स.का.नि. 582 दिनांक 28 दिसम्बर, 1996;
16. स.का.नि. 59 दिनांक 25 जनवरी, 1997;
17. स.का.नि. 117 दिनांक 1 मार्च, 1997;
18. स.का.नि. 172 दिनांक 29 मार्च, 1997;
19. स.का.नि. 221 दिनांक 21 नवम्बर, 1998;
20. स.का.नि. 131 दिनांक 1 मई, 1999;
21. स.का.नि. 139 दिनांक 8 मई, 1999;
शुद्धिपत्र स.का.नि. 201 दिनांक 7 अप्रैल, 2001;
22. स.का.नि. 237 दिनांक 31 जुलाई, 1999;
23. स.का.नि. 345 दिनांक 23 अक्टूबर, 1999;
24. स.का.नि. 397 दिनांक 14 अक्टूबर, 2000;
25. स.का.नि. 219 दिनांक 14 अप्रैल, 2001;
26. स.का.नि. 496 दिनांक 8 सितम्बर, 2001;
27. स.का.नि. 672 दिनांक 15 दिसम्बर, 2001;
28. स.का.नि. 127 दिनांक 13 अप्रैल, 2002;

29. सा.का.नि. 407 दिनांक 22 नवम्बर, 2003;
30. सा.का.नि. 201 दिनांक 19 जून, 2004;
31. सा.का.नि. 203 दिनांक 19 जून, 2004;
32. सा.का.नि. 265 दिनांक 7 अगस्त, 2004;
33. सा.का.नि. 32 दिनांक 29 जनवरी, 2005;
34. सा.का.नि. 66 दिनांक 26 फरवरी, 2005;
35. सा.का.नि. 67 दिनांक 26 फरवरी, 2005;
36. सा.का.नि. 423 दिनांक 24 दिसम्बर, 2005;
37. सा.का.नि. 27 दिनांक 4 फरवरी, 2006;

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Industrial Policy and Promotion)**

(CENTRAL BOILERS BOARD)

New Delhi, the 7th August, 2006

G.S.R. 200.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of Section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date the Gazette containing the publication of this notification is made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board.

3. Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion), Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

DRAFT REGULATIONS

1. (1) These rules may be called the Indian Boiler (Second Amendment) Regulations, 2006.

(2) They shall come into force after final publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 376, after clause (ff) the following clause shall be inserted, namely :—

“(fff) For Captive Boilers and Waste Heat Boilers (Fired and Unfired) used exclusively in continuous process plants, the inspection shall be carried out in accordance with the provisions of Appendix JB. The boilers used in corrosive environment such as Sulphuric acid plants shall not be covered under the provisions of Appendix JB.”.

3. In the said regulations, in regulation 377, after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) Captive Boilers and Waste Heat Boilers (Fired and Unfired) used exclusively in continuous process plants need not be hydraulically tested for issue of certificate every year.”

Provided that the inspection of such boilers is carried out as per the provisions of regulation 376.

4. In the said regulations, in Form XIX, for the words and letters “DETAILS TO BE FURNISHED ALONGWITH APPLICATION FOR INSPECTION OF BOILER AFTER TWELVE MONTHS OF THE CERTIFICATION UNDER APPENDIX ‘JA’, the words and letters “Details to be furnished alongwith application for Inspection of Boiler after twelve months of the certification under Appendix JA and Appendix JB” shall be substituted;”

5. In the said regulations, in regulation 385, the following regulation shall be substituted, namely :—

“385 Registration fee.—The required fee to accompany an application under sub-section (1) of Section 7 of the Act shall be :—

For boiler rating not exceeding 10 sq. meters	Rs. 720/-
For boiler rating exceeding 10 sq. meters but not exceeding 30 sq. meters	Rs. 960/-
For boiler rating exceeding 30 sq. meters but not exceeding 50 sq. meters	Rs. 1080/-
For boiler rating exceeding 50 sq. meters but not exceeding 70 sq. meters	Rs. 1320/-

For boiler rating exceeding 70 sq. meters but not exceeding 90 sq. meters	Rs. 1560/-
For boiler rating exceeding 90 sq. meters but not exceeding 110 sq. meters	Rs. 1800/-
For boiler rating exceeding 110 sq. meters but not exceeding 200 sq. meters	Rs. 2040/-
For boiler rating exceeding 200 sq. meters but not exceeding 400 sq. meters	Rs. 2280/-
For boiler rating exceeding 400 sq. meters but not exceeding 600 sq. meters	Rs. 2640/-
For boiler rating exceeding 600 sq. meters but not exceeding 800 sq. meters	Rs. 2880/-
For boiler rating exceeding 800 sq. meters but not exceeding 1000 sq. meters	Rs. 3240/-
For boiler rating exceeding 1000 sq. meters but not exceeding 1200 sq. meters	Rs. 3840/-
For boiler rating exceeding 1200 sq. meters but not exceeding 1400 sq. meters	Rs. 4320/-
For boiler rating exceeding 1400 sq. meters but not exceeding 1600 sq. meters	Rs. 5040/-
For boiler rating exceeding 1600 sq. meters but not exceeding 1800 sq. meters	Rs. 5400/-
For boiler rating exceeding 1800 sq. meters but not exceeding 2000 sq. meters	Rs. 6000/-
For boiler rating exceeding 2000 sq. meters but not exceeding 2200 sq. meters	Rs. 6480/-
For boiler rating exceeding 2200 sq. meters but not exceeding 2400 sq. meters	Rs. 7200/-
For boiler rating exceeding 2400 sq. meters but not exceeding 2600 sq. meters	Rs. 7560/-
For boiler rating exceeding 2600 sq. meters but not exceeding 2800 sq. meters	Rs. 8160/-
For boiler rating exceeding 2800 sq. meters but not exceeding 3000 sq. meters	Rs. 8640/-

Above 3000 sq. meters, for every 200 or part thereof an additional fee of Rs. 240/- shall be charged :

Provided that the Chief Inspector may direct that no fee shall be payable in respect of a fresh application made in pursuance of sub-section (2) of Section 14 of the Act";

6. In the said regulations, in regulation 395, for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

(b) (i) The fees for examination of plans and the particulars of materials, design and construction of steam pipes before the commencement of manufacture of the steam pipes shall be at the rate of Rs. 40/- for 30 meters of piping or part thereof, subject to a minimum of Rs. 60/-, inclusive of all fittings excepting the fittings like de-superheaters, steam receivers, feed heaters and separately fired superheaters. For any fittings like de-superheaters, steam receivers separators and flanges, the fee shall be Rs. 180/- for each category of such identical fittings.

(ii) The fees for examination of lay out plans of steam pipes shall be Rs. 30/- per 30 metres of piping or part thereof, subject to a minimum of Rs. 60/-, inclusive of all fittings, except fittings like de-superheaters steam receivers, feed heaters and separately fired superheaters. For any fittings like de-superheaters, steam receivers and separators, the fee shall be Rs. 180/- for each such fittings;

7. In the said regulations, in regulation 395 A,—

(i) for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(3) For inspection of tubes and pipes, the fee shall be charged at the rate of Rs. 180/- per metric tonne or a fraction thereof.";

(ii) for sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(6) For inspection of pipe fittings other than forged pipe fittings, the fees shall be charged as under :—

(a) up to and including 50mm, for 100 kg. or a fraction thereof: Rs. 60/-

(b) over 50mm and up to and including 100mm for 450 kg. or fraction thereof: Rs. 300/-

(c) over 100mm for 900 kg. or a fraction thereof: Rs. 600/-";

8. In the said regulations, for regulation 395 B, the following regulation shall be substituted, namely :—

"395 B Fees for inspection of pipes.

233 o 61706-3

- (a) for the pipes of nominal bore not exceeding 100mm inclusive of all fittings excepting fittings like de-superheaters, steam-receivers, feed heaters and separately fired super-heaters Rs.250/- for 30 metres of pipes or part thereof;
- (b) for pipes of nominal bore exceeding 100mm inclusive of all fittings excepting fittings like desuperheaters, steam receivers, feed heaters and separately fired superheaters Rs.600/- for 30 metres or part thereof;
- (c) fee for inspection of fittings like feed water heater, de-superheater, steam receiver, separators and separately fired superheaters Rs.600/- for each such fitting";

9. In the said regulations, for regulation 395 C, the following regulation shall be substituted, namely :—

“395 C Fee for inspection of valves—Fees for inspection of valves shall be charged as under :—

(1) Subject to a minimum inspection fee of Rs.600/- per inspection for the valves, the inspection fee shall be charged as under:—

(a) upto 25mm	Rs. 10 per piece
(b) above 25mm and upto 100mm	Rs. 30 per piece
(c) above 100mm and upto 250mm	Rs. 180 per piece
(d) above 250mm	Rs. 480 per piece

(2) Fees for inspection of flanges shall be charged as under :—

(i) for forged and cast flanges :

(a) upto and including 25mm for a batch of 50 or part thereof :	Rs. 150
(b) upto and including 25mm for a batch of 100 or part thereof :	Rs. 260
(c) over 25mm upto and including 50mm for a batch of 50 or part thereof :	Rs. 290
(d) over 50mm upto and including 100mm for a batch of 25 or part thereof :	Rs. 290
(e) over 100mm upto and including 250mm for a batch of 10 or part thereof :	Rs. 310
(f) over 250mm for a batch of 5 or part thereof :	Rs. 360

(ii) for plate flanges:

The fees shall be charged at half the rate as charged for forged and cast flanges.”;

10. In the said regulations, for regulation 395 G, the following regulation shall be substituted, namely:—

“395 G. Fee for inspection of spares and scantlings :

(i) Spares - For all types of coils, namely, economiser coils, superheater coils, reheat coils, the fee for inspection shall be charged on the basis of surface area as provided in Regulation 385.

(ii) Scantlings - The fee for inspection of scantlings shall be charged as under :—

(a) for outside surface area not exceeding 1 sq. metre	Rs. 600
(b) for outside surface area exceeding 1 sq. metre but not exceeding 3 sq. metres	Rs. 720
(c) for OSA exceeding 3 sq. metres but not exceeding 5 sq. metres	Rs. 840
(d) for OSA exceeding 5 sq. metres but not exceeding 7 sq. metres	Rs. 1200
(e) for OSA exceeding 7 sq. metres but not exceeding 9 sq. metres	Rs. 1440
(f) for OSA exceeding 9 sq. metres but not exceeding 11 sq. metres	Rs. 1800

For outside surface area exceeding 11 sq. metres a fee of Rs.60 shall be charged for every 2 sq. metres or part thereof subject to a maximum of Rs. 6000”;

11. In the said regulations, the regulations 438 to 499 (both inclusive) shall be omitted.

12. In the said regulations, for regulation 533, the following regulation shall be substituted, namely :—

“533. Registration fee—An application for registration of Economiser shall be accompanied by appropriate fee as specified below :—

For economiser rating not exceeding 50 sq. mtrs Rs. 600

For economiser rating exceeding 50 sq. mtrs but not exceeding 100 sq. mtrs Rs. 720

For economiser rating exceeding 100 sq. mtrs but not exceeding 150 sq. mtrs Rs. 840

For economiser rating exceeding 150 sq. mtrs but not exceeding 200 sq. mtrs Rs. 960

For economiser rating exceeding 200 sq. mtrs but not exceeding 250 sq. mtrs Rs. 1080

For economiser rating exceeding 250 sq. mtrs but not exceeding 300 sq. mtrs Rs. 1140

For economiser rating exceeding 300 sq. mtrs but not exceeding 350 sq. mtrs Rs. 1200

For economiser rating exceeding 350 sq. mtrs but not exceeding 400 sq. mtrs Rs. 1320

For economiser rating exceeding 400 sq. mtrs but not exceeding 450 sq. mtrs Rs. 1440

For economiser rating exceeding 450 sq. mtrs but not exceeding 500 sq. mtrs Rs. 1560

For economiser rating exceeding 500 sq. mtrs but not exceeding 600 sq. mtrs Rs. 1680

For economiser rating exceeding 600 sq. mtrs but not exceeding 700 sq. mtrs Rs. 1800

For economiser rating exceeding 700 sq. mtrs but not exceeding 800 sq. mtrs Rs. 1920

For economiser rating exceeding 800 sq. mtrs but not exceeding 900 sq. mtrs Rs. 2040

For economiser rating exceeding 900 sq. mtrs but not exceeding 1000 sq. mtrs Rs. 2160

Above 1000 sq. metres for every 200 sq. metres or part thereof, an additional fee of Rs.120 shall be charged”;

13. In the said regulations, after Appendix JA, the following Appendix shall be inserted, namely:

“APPENDIX JB

[See regulation 376 (fff)]

A. Waste Heat Boilers (Fired)/CO-Boilers working at a pressure upto 50 Kgs./sq. cm & upto 20 years of age used exclusively in continuous process plant.

(1) For Waste Heat Boilers (Fired)/CO-Boilers working at a pressure upto 50 Kgs./sq.cm & upto 20 years of age used exclusively in continuous process plant shall be subjected to Hydraulic Test at pressure equivalent to the working pressure at the expiry of twelve months from the date of inspection and certification of fitness by the concerned Inspector of Boilers in the State, and having satisfied with the operation records as given below, shall be allowed for running for another period of twelve months :

- (a) Operation data for superheater and reheater temperature excursions from the output of Data Acquisition System (DAS).
- (b) History of shut downs during the previous year with their causes and actions taken.
- (c) Records of any Non-Destructive test carried out on the boiler pressure parts during the year.
- (d) Water quality to the boiler is maintained as per the requirement of such boilers and on line data of the quality be provided through Data Acquisition System (DAS).
- (e) Boiler tube failure record (location, number of tubes repaired/replaced).

(2) Inspection shall be carried out by the concerned Inspector of Boilers at the expiry of twenty-four months. However, if shutdown of fifteen days or more is planned any time before expiry of the certification period and after six months of the certification, Inspector of Boilers shall be duly informed so that inspection can be scheduled during the said shut down period.

B. Waste Heat Boilers (Fired and Unfired)/CO-Boilers working at a pressure upto 50 Kgs./sq.cm & more than 20 years of age used exclusively in continuous process plant.

Boiler working at a pressure up to 50 kg/cm² and more than 20 years of age shall continue to be subjected to full inspection every year to the satisfaction of Boiler Inspector. However, if Remnant Life Assessment (RLA) as per the provisions of Indian Boiler Regulations, 1950 is carried out on the boiler, than procedure as given at paragraph 'A' above would be applicable.

C. Waste Heat Boilers (Unfired) working at a pressure upto 50 Kgs./sq.cm & up to 20 years of age used exclusively in continuous process plant.

(1) For Waste Heat Boilers (Unfired) working at a pressure upto 50 Kgs./sq.cm & upto 20 years of age used exclusively in continuous process plant shall be subjected to Hydraulic Test at pressure equivalent to the working pressure at the expiry of twenty four months from the date of full inspection and certification of fitness by the concerned Inspector of Boilers in the State, and having satisfied with the operation records as at paragraph A, shall be allowed for running for another period of twelve months:

(2) Inspection shall be carried out by the concerned Inspector of Boilers at the expiry of twenty-four months. However, if shutdown of fifteen days or more is planned any time before expiry of the certification period and after six months of the certification, Inspector of Boilers shall be duly informed so that inspection can be scheduled during the said shutdown period.

D. Captive Boilers/Waste Heat Boilers (Fired)/HRSGs working at a pressure more than 50 Kgs./sq.cm & upto 20 years of age used exclusively in continuous process plant.

(1) The Captive Boilers/Waste Heat Boilers (Fired) /HRSGs working at a pressure 50 kg/cm² or more and up to 20 years of age, used exclusively in continuous process plant shall be inspected as detailed below after the expiry of twelve months from the date of full inspection and certification of fitness shall be issued by the concerned Inspector of Boilers in State, through inspection of the following records which shall be made available to the Inspector of Boilers at least thirty days before the expiry of the operating certificate, provided he is satisfied that the boiler can be allowed to be operated for a further period of twelve months.

- (a) Operation data for superheater and reheater temperature excursions from the output of Data Acquisition System (DAS).
- (b) History of shut downs during the previous year with their causes and actions taken.
- (c) Records of any Non-Destructive test carried out on the boiler pressure parts during the year.
- (d) Water quality to the boiler is maintained as per the requirement of such boilers and on line data of the quality be provided through Data Acquisition System (DAS).
- (e) Boiler tube failure record (location, number of tubes repaired/replaced).

(2) Inspection shall be carried out by the Inspector of Boilers at the expiry of twenty four months as provided in regulation 390. However, in case shutdown of fifteen days or more is planned any time before expiry of the certification period and after six months of the certification, the Inspector of Boilers shall be duly informed so that complete inspection can be scheduled during the said shut down period.

E. Captive Boilers/Waste Heat Boilers (Fired)/HRSGs working at a pressure more than 50 Kgs./sq.cm & more than 20 years of age used exclusively in continuous process plant.

Boiler working at a pressure of more than 50 kg/cm² and more than 20 years of age shall continue to be subjected to inspection every year to the satisfaction of Boiler Inspector. However, if Remnant Life Assessment (RLA) as per the provisions of Indian Boiler Regulations, 1950 is carried out on the boiler, than procedure as given at paragraph 'A' above would be applicable.”.

[F. No. 6(6)/2005-Boilers]

V.K. GOAL, Secy.

Note:—The principal regulations were published in the Gazette of India *vide* S.O. 600, dated the 15th September, 1950 and subsequently amended *vide* notifications —

- (i) G.S.R. 178, dated the 24th March, 1990;
- (ii) G.S.R. 179, dated the 24th March, 1990;

- (iii) G.S.R. 488, dated the 9th October, 1993.
- (iv) G.S.R. 516 dated the 23rd October, 1993.
- (v) G.S.R. 634 dated the 25th December, 1993.
- (vi) G.S.R. 107 dated the 26th February, 1994; Errata G.S.R. 223 dated the 14th May, 1994.
- (vii) G.S.R. 250 dated the 4th June, 1994.
- (viii) G.S.R. 402 dated the 13th August, 1994.
- (ix) G.S.R. 427 dated the 20th August, 1994.
- (x) G.S.R. 562 dated the 12th November, 1994.
- (xi) G.S.R. 607 dated the 10th December, 1994.
- (xii) G.S.R. 83 dated the 25th February, 1995.
- (xiii) G.S.R. 93 dated the 4th March, 1995.
- (xiv) G.S.R. 488 dated the 9th November, 1996.
- (xv) G.S.R. 582 dated the 28th December, 1996.
- (xvi) G.S.R. 59 dated the 25th January, 1997.
- (xvii) G.S.R. 117 dated the 1st March, 1997.
- (xviii) G.S.R. 172 dated the 29th March, 1997.
- (xix) G.S.R. 221 dated the 21st November, 1998.
- (xx) G.S.R. 131 dated 1st May, 1999.
- (xxi) G.S.R. 139 dated 8th May, 1999. Errata G.S.R. 201 dated 7th April, 2001.
- (xxii) G.S.R. 237 dated 31st July, 1999.
- (xxiii) G.S.R. 345 dated 23rd October, 1999.
- (xxiv) G.S.R. 397 dated 14th October, 2000.
- (xxv) G.S.R. 219 dated 14th April, 2001.
- (xxvi) G.S.R. 496 dated 8th September, 2001.
- (xxvii) G.S.R. 672 dated 15th December, 2001.
- (xxviii) G.S.R. 127 dated 13th April, 2002.
- (xxix) G.S.R. 407 dated 22nd November, 2003.
- (xxx) G.S.R. 201 dated 19th June, 2004.
- (xxxi) G.S.R. 203 dated 19th June, 2004.
- (xxii) G.S.R. 265 dated 7th August, 2004.
- (xxiii) G.S.R. 32 dated 29th January, 2005.
- (xxiv) G.S.R. 66 dated 26th February, 2005.
- (xxv) G.S.R. 67 dated 26th February, 2005.
- (xxvi) G.S.R. 423 dated 24th December, 2005.
- (xxvii) G.S.R. 27 dated 4th February, 2006.

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 2006

सा.का. नि. 201.—यतः वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (केन्द्रीय बायलर बोर्ड) भारत सरकार के दिनांक 10 अप्रैल, 2006 की अधिसूचना संलग्ना सा. का. नि. 81 के साथ इसके द्वारा प्रभावित होने वाले संभावित व्यक्तियों से आपत्तियां तथा सुझाव, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराने की तारीख से पैंतीलीस दिन की अवधि समाप्त होने से पहले मांगने के लिए भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 31 की उप-धारा (1) जो दिनांक 15 अप्रैल, 2006 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में है, द्वारा यथा अपेक्षित भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिए कुछ विनियमों के मसौदे प्रकाशित किये गये थे;

और जबकि उक्त राजपत्र की प्रतियां आम जनता को 4 मई, 2006 को उपलब्ध करा दी गयी थीं;

2330 6/708-4

और जबकि उक्त मसौदे में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर किसी भी व्यक्ति से ऐसे मसौदों के संबंध में कोई आपत्तियां अथवा सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे;

अतः अब भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय बायलर बोर्ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय बॉयलर बोर्ड एवं द्वारा भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1950 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामतः :—

1. (1) इन विनियमों को भारतीय बॉयलर (द्वितीय संशोधन) विनियम, 2006 कहा जायेगा।
- (2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।
2. भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है), के विनियम 4, खंड (ग) में उपखंड (vi) के बाद निम्नलिखित उप-खंड को सम्मिलित किया जायेगा, नामतः :

“(vii) ऐसे बॉयलरों के लिए जिनकी क्षमता 20 टन प्रति घंटा और अधिक है जिन्हें स्थापना-स्थल पर ही संयोजित किया जाना है, के लिए मढ़ाई की आपूर्ति अलग से की जाए। 20 टन प्रति घंटा से कम क्षमता के सभी बॉयलरों के विनिर्माण के समय फार्म III में उल्लिखित विवरण सहित संबंधित फार्मों में जारी किए गए मढ़ाई (मार्टिंग) अथवा फिटिंग के सभी प्रमाण-पत्र होंगे।”

3. उक्त विनियमों में विनियम 4 घ में, “तीन वर्ष” शब्दों के स्थान पर “पांच वर्ष” शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

2. उक्त विनियमों में विनियम 154 में, खंड (क) के उपखंड (i) में अंत में निम्नलिखित टिप्पणी सम्मिलित की जायेगी, नामतः :

“टिप्पणी.—कार्बन स्टील सामग्री जिसमें कार्बन का अंश अधिकतम 0.25 % है के लिए हैंडर के साथ वैल्ड की गयी ट्यूबों के संबंध में पोस्ट वैल्ड हीट ट्रीटमेंट की आवश्यकता अनिवार्य नहीं है, बशर्ते कि निम्नलिखित शर्तें पूरी की गई हों, नामतः :

(क) ट्यूब का बाहरी व्यास (ओर्डी) 51 मि.मी. से अधिक न हों :

(ख) हैंडर का बाहरी व्यास 219.1 मि.मी. से अधिक न हो:

(ग) हैंडर की मोटाई 13 मि.मी. से अधिक न हो :

(घ) न्यूनतम 100° से पूर्व ताप का अनुप्रयोग किया गया हो।”

3. उक्त विनियमों में विनियम 166 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा नामतः :—

“आंतरिक द्वार :—आंतरिक द्वार अध्याय II के अनुसार पिटवां इस्पात के होंगे और निम्नलिखित के अनुसार निर्मित होंगे :—

(क) द्वारों को आंतरिक जोड़ पर निकटता से जोड़ने के लिए तैयार किया जायेगा और इनमें स्टड, नट तथा क्रासबार लगे होने चाहिए,

(ख) 250 मि.मी. से अधिक के गोलाकार स्थान अथवा 250 मि.मी. x 175 मि.मी. से बड़े अंडाकार/आयताकार स्थान के द्वारों में दो स्टड किन्तु 250 मि.मी. x 170 मि.मी. अथवा इससे कम स्थान के द्वारों में केवल एक स्टड लगाया जायेगा। 123 मि.मी. x 90 मि.मी. तक के स्थानों के द्वारों पर द्वार के साथ गड़े गए स्टड होंगे,

(ग) द्वारों के स्टड वैलिंग योग्य इस्पात के होंगे जिनकी न्यूनतम विनिर्दिष्ट तनाव शक्ति 360 एन/एमएम² से कम नहीं होगी और मेनहोल के लिए 30 मि.मी. से कम नहीं होगी,”

इन्हें निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार से लगाया जायेगा :—

- (i) प्लेट में पेंच कसा जायेगा तथा अंदर फिलेट पर वैलिंग की जायेगी,
- (ii) प्लेट के दोनों तरफ फिलेट पर वैलिंग की जायेगी जिसकी लम्बाई 10 मि.मी. से कम नहीं होगी,
- (iii) द्वार पर एक मध्यस्थ प्लेट अथवा प्लग जुड़ा होगा ताकि अटैचमेंट की शक्ति स्टड की शक्ति से कम न हो और स्टड को मोड़ने से बचाया जा सके, अथवा
- (iv) एक एकीकृत कोलर उपलब्ध कराया जायेगा तथा द्वार की प्लेट पर रिवट अथवा पेंच कसा जायेगा और इसे मोड़ने से बचाया जायेगा और इस स्थिति में अटैचमेंट की शक्ति स्टड की शक्ति से कम नहीं होगी
- (घ) जब द्वार केन्द्रीय स्थिति में होगा तब द्वार की डाट सब तरफ से लगभग 105 मि.मी. निर्बाध होगी और किसी भी स्थान पर निर्बाधता 3 मि.मी. से अधिक नहीं होगी। डाट की गहराई गेस्केट को फंसाने के लिए पर्याप्त होगी,
- (ङ) नट उपयुक्त सामग्री से बनाये जाएंगे जो बैल्टों की सामग्री के अनुरूप हों और उन्हें सीटिंग सर्फेस पर लगाया जाएगा,
- (च) क्रास बारें उपयुक्त अनुपातों की होंगी और वे नरम या रैट स्टील की होंगी

नोट :— स्टड के बजाय डोर प्लेट पर उपयुक्त लेग के आई बोल्ट या डोर प्लेट पर छिद्रयुक्त भागों से जुड़ने वाले हैंडेड बोल्ट प्रयोग किए जा सकते हैं।

फ्लैट प्लेट निर्माण के डोर की गणना की गई न्यूनतम मोटाई (अनस्टिक्ट जो एक प्लेट से बना हो) निम्नलिखित सूत्र से तय की गई मोटाई से कम नहीं होगी :—

$$t = \frac{0.35 P \times D^2 + W}{f}$$

वृत्ताकार डोर के लिए

$$t = \frac{0.35 P(2-a/b) \times a^2 + W}{f}$$

अण्डाकार डोर के लिए

जहाँ,

t = फ्लैट डोर की न्यूनतम गणना की गई मोटाई (मि.मी. में)

P = बॉयलर का कार्यशील दब (N/मि.मी.² में)

d = उस मुख का व्यास, जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि गोल हो (मि.मी. में)

a = उस मुख का छोटा अक्ष जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि अण्डाकार हो (मि.मी. में)

b = उस मुख का बड़ा अक्ष जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि अण्डाकार हो (मि.मी. में)

W = एक स्टड की पूर्ण भार क्षमता (डिजाइन तापमान पर प्रभावी स्टड क्षेत्रफल \times डिजाइन तनाव) (N) में

f = डिजाइन तापमान पर प्लेट का अधिकतम अनुमेय तनाव N/मि.मी.² में

चोट : 300°C या इससे कम डिजाइन तापमान के लिए कार्बन स्टील के बोल्ट्स हेतु $50\text{ N}/\text{मि.मी.}^2$ मान का डिजाइन तनाव प्रयोग किया जाए,

6. उक्त विनियमावली में, विनियम 269 में फार्म III एफ के पश्चात् अन्त में निम्नलिखित फार्म जोड़ा जायेगा, नामत :—

“फार्म III जी

फोर्जिंग कॉस्टिंग (सेमीज) के विनिर्माण और परीक्षण का प्रमाण-पत्र

(भारतीय बॉयलर विनियमावली, 1950 का नियम 269)

भाग का नाम :————

मात्रा :

कम संख्या :

निर्माता का नाम और पता :————

आशयित कार्यशील दब (कि.ग्रा./सें.मी. ²)						
संगत अधिकतम तापमान ($^{\circ}\text{C}$)						

ड्राइंग संख्या

विवरण

मात्रा

1.

2.

3.

4.

5.

पहचान चिन्ह

फोर्जिंग/कॉस्टिंग प्रक्रिया :

4. कच्चा माल

आकार :

विनिर्देशन :

निर्माता :

प्रमाण-पत्र संख्या :

हीट नं./कॉस्ट नं.

5. तैयार सामग्री

आकार :

पोर्सिंग हीट नं.:

विनिर्देशन :

हीट ट्रीटमेंट :

प्रक्रिया

तापमान

सोकिंग

कूलिंग भीड़िया

बैच नं.

6. रासायनिक संधटन :

%C	%Si	%Mn	%S	%P	%Cr	%Ni	%Mo	%V					

7. भौतिक परीक्षण के परिणाम

वाई.एस. (कि. ग्रा./मि.मी. ²)	यू.टी. एस. (कि. ग्रा./मि.मी. ²)	% दीर्घाकरण	शुक्रव परीक्षण	प्रवाह लाइन/बृहत	कठोरता	एन.डी.टी.			
						रेडियोग्राफी	डी.पी.टी.	एम.पी.टी.	यू.टी.

8. सूक्ष्मसंरचना :

जो लागू न हो उसे काट दें।

प्रमाणित किया जाता है कि हमने यहां जो विवरण भरा है वह सही है।

यह हिस्सा/ये हिस्से ————— के कार्यशील दाब/कार्यशील दाबों के लिए भारतीय बॉयलर विनियमावली के अनुपालन हेंतु डिजाइन एवं निर्मित किए गए हैं और इनका अंततः ————— दिन हमारे जिम्मेदार प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया जिनके हस्ताक्षर नीचे दिये गए हैं:

निर्माता का प्रतिनिधि

निर्माता

पदनाम:

नाम:

पदनाम:

कार्यालय की मोहर

हमने स्वयं को संतुष्ट कर लिया है कि फोर्जिंग/कॉस्टिंग का निर्माण और परीक्षण भारतीय बॉयलर विनियमावली, 1950 के अनुसार किया गया है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि यहां प्रविष्ट किया गया विवरण सही है।

परीक्षण के साक्षी निरीक्षण

निरीक्षण अधिकारी का नाम

अधिकारी का नाम और पदनाम

और हस्ताक्षर

स्थान:

स्थान:

तारीख:

तारीख:

7. उक्त विनियमों में, विनियम 278 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम डाला जाएगा, नामतः:

“278 के आंतरिक द्वारा:- आंतरिक द्वार अध्याय II के अनुसार पिटवां इस्पात के होंगे और निम्नलिखित के अनुसार निर्मित होंगे:-

(क) द्वारों को आंतरिक जोड़ पर निकटता से जोड़ने के लिए तैयार किया जायेगा और इनमें स्टड, नट तथा क्रासबार लगें होने चाहिए,

(ख) 250 मि.मी. से अधिक के गोलाकार स्थान अथवा 250 मि.मी. × 175 मि.मी. से बड़े अंडाकार/आयताकार स्थान के द्वारों में दो स्टड किन्तु 250 मि.मी. × 170 मि.मी. अथवा इससे कम स्थान के द्वारों में केवल एक स्टड लगाया जायेगा। 123 मि.मी. × 90 मि.मी तक के स्थानों के द्वारों पर द्वार के साथ गढ़े गए स्टड होंगे,

(ग) द्वारों के स्टड वैलिंग योग्य इस्पात के होंगे जिसकी न्यूनतम विनिर्दिष्ट तनाव शक्ति 360 एन/एमएम² से कम नहीं होगी और मेनहोल के लिए 30 मि.मी. से कम नहीं होगी;

इन्हें निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार से लगाया जायेगा :-

(v) प्लेट में पेच कसा जायेगा तथा अंदर फिलेट पर वैलिंग की जायेगी;

(vi) प्लेट के दोनों तरफ फिलेट पर वैलिंग की जायेगी जिसकी लंबाई 10 मि.मी. से कम नहीं होगी,

(vii) द्वार पर एक मध्यस्थ प्लेट अथवा प्लग जुड़ा होगा ताकि अटैचमेंट की शक्ति स्टड की शक्ति से कम न हो और स्टड को मोड़ने से बचाया जा सके; अथवा

(viii) एक एकीकृत कोलर उपलब्ध कराया जायेगा तथा द्वार की प्लेट पर रिवट अथवा पेच कसा जायेगा और इसे मोड़ने से बचाया जायेगा और इस स्थिति में अटैचमेंट की शक्ति स्टड की शक्ति से कम नहीं होगी;

(घ) जब द्वार केन्द्रीय स्थिति में होगा तब द्वार की डाट सब तरफ से लगभग 105 मि.मी. निर्बाध होगी और किसी भी स्थान पर निर्बाधता 3 मि.मी. से अधिक नहीं होगी। डाट की गहराई गेस्केट को फंसाने के लिए पर्वाप्त होगी;

(ङ) नट उपयुक्त सामग्री से बनाये जाएंगे जो बोल्टों की सामग्री के अनुरूप हों और उन्हें सीटिंग सर्फेस पर लगाया जाएगा;

(च) कास बारें उपयुक्त अनुपातों की होंगी और वे नरम या टैट स्टील की होंगी।

नोट:- स्टड के बजाय डोर प्लेट पर उपयुक्त लेग के आई बोल्ट या डोर प्लेट पर छिद्रयुक्त भागों से जुड़ने वाले हैंडेड बोल्ट प्रयोग किए जा सकते हैं। प्लैट प्लेट निर्माण के डोर की गणना की गई न्यूनतम मोटाई (अनस्टिफन्ड जो एक प्लेट से बना हो) निम्नलिखित सूत्र से तय की गई मोटाई से कम नहीं होगी:-

$$t = \frac{0.35P \times d^2 + W}{f}$$

वृत्ताकार डोर के लिए

$$t = \frac{0.35P(2 - a/b) \times a^2 + W}{f}$$

अण्डाकार डोर के लिए

जहां :

t = फ्लैट डोर की न्यूनतम गणना की गई मोटाई (मि.मी. में)

P = बॉयलर का कार्यशील दाब (N/मि.मी.² में)

d = उस मुख का व्यास, जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि गोल हो (मि.मी. में)

a = उस मुख का छोटा अक्ष जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि अण्डाकार हो (मि.मी. में)

b = उस मुख का बड़ा अक्ष जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि अण्डाकार हो (मि.मी. में)

W = एक स्टड की पूर्ण भार क्षमता (डिजाइन तापमान पर प्रभावी स्टड क्षेत्रफल × डिजाइन तनाव) (N) में

f = डिजाइन तापमान पर प्लेट का अधिकतम अनुमेय तनाव (N/मि.मी.² में)

नोट : 300°C या इससे कम डिजाइन तापमान के लिए कार्बन स्टील के बोल्टों हेतु 50 N/मि.मी.² मान का डिजाइन तनाव प्रयोग किया जाए।

8. उक्त विनियमों में विनियम 337 में उपविनियम (जी) के बाद निम्नलिखित उप नियम सम्पादित किया जायेगा :

“(एच) ट्यूबों की फाइरिंग निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा विधिवत् रूप से अनुमोदित किसी भी पद्धति द्वारा और तत्परचात् उनके द्वारा निरीक्षण की गई तथा प्रमाणित की गई स्वीकार की जायेगी”।

9. उक्त विनियमों में विनियम 385 में अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा, नामतः :-

“सुपर हीटर, री हीटर तथा फीड बॉटर हीटर के लिए निरीक्षण शुल्क, रजिस्ट्रेशन फीस के अनुसार उसी दर पर किया जायेगा।

सुपर हीटर तथा री हीटर का सर्फेस एरिया केवल फीस लेने के प्रयोजनार्थ बॉयलर के सर्फेस क्षेत्र में शामिल किया जायेगा”।

10. उक्त विनियमों में विनियम 392 में खण्ड (पी) के बाद निम्नलिखित धारा शामिल की जायेगी, नामतः :-

“रिपेयरकर्ताओं का वर्गीकरण ।

२३३० ८१७०६-५

रिपेयरकार्टाओं का वर्गीकरण निम्नानुसार होगा :

- (i) III वर्ग < 17.5 कि.ग्रा./सें.मी.² बॉयलर प्रेशर
- (ii) II वर्ग > 17.5 कि.ग्रा./सें.मी.² < 40 कि.ग्रा./सें.मी.² तक बॉयलर प्रेशर
- (iii) I वर्ग > 40 कि.ग्रा./सें.मी.² < 100 कि.ग्रा./सें.मी.² तक बॉयलर प्रेशर
- (iv) विशेष वर्ग > 100 कि.ग्रा./सें.मी.² बॉयलर प्रेशर”।

11. उक्त विनियमों में विनियम 554 के लिए निम्नलिखित विनियम से प्रतिस्थापित किया जायेगा, नामतः :-

“मेनहोल फ्रेम्स, माउथपीसिज तथा डोर्स-मेनहोल फ्रेम्स, माउथपीसिज तथा डोर्स अथवा कवर प्लेट माइल्ड स्टील की होंगी। फ्रेम अण्डाकार होंगे और जहाँ शैल के पास बेड तक फ्लैंज्ड टाइप बनाया जायेगा और डोर तक फ्लैट ज्वार्टिंग सफेस प्रदान की जायेगी। परिवर्तन के रूप में उभरे हुए (रेजड) माउथपीसिज को बाहर लागाया जा सकता है और जहाँ फ्लैंज्ड टाइप शैल के पास बेडिंग होंगी। जहाँ व्यवहार्य हो फ्रेम शैल के अन्दर की ओर छोटे समानांतर एक्सेस से बॉयलर की लोंगीट्यूडनल सेंटर लाइन तक लगाया जायेगा। सभी मामलों में जहाँ शैल की मोटाई 9/16 इंच से अधिक है अंडाकार फ्रेम अथवा सर्कुलर माउथपीसिज फिट किये जाएंगे।

अण्डाकार फ्रेम्स अथवा बाहरी उभरे हुए माउथपीसिज निम्न में से कोई एक होंगे :-

(क) वेल्ड के बिना एक पीस में बना हुआ।

(ख) उपयुक्त रोल्ड सेक्षन तथा फोर्ज वेल्डिंग अथवा फ्यूजन वेल्डिंग द्वारा फेब्रिकेटिंग से बना हुआ बशर्ते वे वेल्डिंग के बाद हीट ट्रीटमेंट द्वारा स्ट्रेस मुक्त तथा बॉयलर को लगाने से पूर्व जब तक कि पूरा होने पर पूरा बॉयलर हीट ट्रीटमेंट से संबंधित होगा।

वेल्ड इस प्रकार बैठाए जाने चाहिए, ताकि वे बॉयलर की आड़े किनारे की केन्द्रीय रेखा पर आ सकें (देखें विनियम 556)।

माउथपीसों और कंवरों के जोड़ने वाले कोर बोल्टों के सामने वाले भाग, उनके किनारों तथा बियरिंग सफेस पर लगाए जाने चाहिए। बोल्ट और नट लगाए जाने चाहिए जिनमें कोरों के विकृत होने की संभावना से बचने की दृष्टि से बोल्टों की पिच लाइन अथवा पिच सर्कल के अन्दर तथा बाहर कोरों तथा जोड़ों को आपस में मिला देना चाहिए। कवर प्लेटों को फ्रेम के आंतरिक व्यास के लगभग 1/8 भाग की गहराई तक बाहर की ओर लगाया जाना चाहिए।

* सभी किनारों पर मशीन चलाई जानी चाहिए अथवा मशीन से उन्हें फ्रेम-कट किया जाना चाहिए (देखें विनियम 541)।

फार्म अथवा मैनहोल फ्रेम एवं सम्बद्ध सामग्री चित्र XII/52, XII/53, XII/54, XII/55 और XII/56 में दिखाए गए हैं।

12. उक्त विनियमों में विनियम 554 के बाद निम्नलिखित विनियम शामिल किए जाने चाहिए, नामतः :-

“554क” आंतरिक द्वार :—आंतरिक द्वार अध्याय II के अनुसार पिटवां इस्पात के होंगे और निम्नलिखित के अनुसार निर्मित होंगे :—

(क) द्वारों को आंतरिक जोड़ पर निकटता से जोड़ने के लिए तैयार किया जायेगा और इनमें स्टड, नट तथा क्रासबार लगे होने चाहिए;

(ख) 250 मि.मी. से अधिक के गोलाकार स्थान अथवा 250 मि.मी. × 175 मि.मी. से बड़े अंडाकार/आयताकार स्थान के द्वारों में दो स्टड किन्तु 250 मि.मी. × 170 मि.मी. अथवा इससे कम स्थान के द्वारों में केवल एक स्टड लगाया जायेगा। 123 मि.मी. तक के स्थानों के द्वारों पर द्वार के साथ गढ़े गए स्टड होंगे;

(ग) द्वारों के स्टड वैल्डिंग योग्य इस्पात के होंगे जिनकी न्यूनतम विनिर्दिष्ट तनाव शक्ति 360 एन/एमएम² से कम नहीं होगी और मैनहोल के लिए 30 मि.मी. से कम नहीं होगी;

इन्हें निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार से लगाया जायेगा :—

- (ix) प्लेट में पेच कसा जायेगा तथा अंदर फिलेट पर वैल्डिंग की जायेगी;
- (x) प्लेट के दोनों तरफ फिलेट पर वैल्डिंग की जायेगी जिसकी लंबाई 10 मि.मी. से कम नहीं होगी;
- (xi) द्वार पर एक मध्यस्थ प्लेट अथवा प्लग जुड़ा होगा ताकि अटैचमेंट की शक्ति स्टड की शक्ति से कम न हो और स्टड को मोड़ने से बचाया जा सके; अथवा
- (xii) एक एकीकृत कोलर उपलब्ध कराया जायेगा तथा द्वार की प्लेट पर रिवट अथवा पेच कसा जायेगा और इसे मोड़ने से बचाया जायेगा और इस स्थिति में अटैचमेंट की शक्ति स्टड की शक्ति से कम नहीं होगी।

(घ) जब द्वार केन्द्रीय स्थिति में होगा तब द्वार की डाट सब तरफ से लगभग 105 मि.मी. निर्बाध होगी और किसी भी स्थान पर निर्बाधता 3 मि.मी. से अधिक नहीं होगी। डाट की गहराई गेस्केट को फंसाने के लिए पर्याप्त होगी;

(ङ) नट उपयुक्त सामग्री से बनाये जाएंगे जो बोल्टों की सामग्री के अनुरूप हों और उन्हें सीटिंग सफेस पर लगाया जाएगा,

(च) क्रास बारें उपयुक्त अनुपातों की होंगी और वे नरम या रैट स्टील की होंगी।

नोट : स्टड के बजाय डोर प्लेट पर उपयुक्त लेग के आई बोल्ट या डोर प्लेट पर छिद्रयुक्त भागों से जुड़ने वाले हैंडेड बोल्ट प्रयोग किए जा सकते हैं।

फ्लैट प्लेट निर्माण के डोर की गणना की गई न्यूनतम मोटाई (अनस्टिफन्ड जो एक प्लेट से बना हो) निम्नलिखित सूत्र से तय की गई मोटाई से कम नहीं होगी:-

$$t = \frac{0.35P \times d^2 + W}{f} \quad \text{बृत्ताकार डोर के लिए}$$

$$t = \frac{0.35P(2 - a/b) \times a^2 + W}{f} \quad \text{अण्डाकार डोर के लिए}$$

जहाँ,

t = फ्लैट डोर की न्यूनतम गणना की गई मोटाई (मि.मी. में)

P = बॉथलर का कार्यशील शब्द ($N/\text{मि.मी.}^2$ में)

d = उस मुख का व्यास, जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि गोल हो (मि.मी. में)

a = उस मुख का छोटा अक्ष जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि अण्डाकार हो (मि.मी. में)

b = उस मुख का बड़ा अक्ष जिस पर डोर फिट किया गया हो, यदि अण्डाकार हो (मि.मी. में)

W = एक स्टड की पूर्ण भार क्षमता (डिजाइन तापमान पर प्रभावी स्टड क्षेत्रफल \times डिजाइन तनाव) (N) में

f = डिजाइन तापमान पर प्लेट का अधिकतम अनुमेय तनाव ($N/\text{मि.मी.}^2$ में)

नोट : 300°C या इससे कम डिजाइन तापमान के लिए कार्बन स्टील के बोल्टों हेतु $50 \text{ N}/\text{मि.मी.}^2$ मान का डिजाइन तनाव प्रयोग किया जाए।

13. उक्त विनियमों में, विनियम 561 में, खण्ड (क) में “16 फीट तक अथवा 16 फीट की लम्बाई वाली शेल प्लेटों के मामले में टेस्ट प्लेट केवल एक ही सिरे पर लगाई जा सकती है” शब्दों को “शेल प्लेटों के मामले में टेस्टप्लेट केवल एक ही सिरे पर लगाई जा सकती है” शब्दों से प्रतिस्थापित किया जाए।

[फा. सं. 6(10)/2005-बॉथलर]

वी. के. गोयल, सचिव

टिप्पणी : मुख्य विनियमों को का.आ. 600 दिनांक 15 सितम्बर 1950 के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था और तत्पश्चात् निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया :

1. सा.का.नि. 178 दिनांक 24 मार्च, 1990;
2. सा.का.नि. 179 दिनांक 24 मार्च, 1990;
3. सा.का.नि. 488 दिनांक 9 अक्टूबर, 1993;
4. सा.का.नि. 516 दिनांक 23 अक्टूबर, 1993;
5. सा.का.नि. 634 दिनांक 25 दिसम्बर, 1993;
6. सा.का.नि. 107 दिनांक 26 फरवरी, 1994; शुद्धिपत्र सा.का.नि. 223 दिनांक 14 मई, 1994;
7. सा.का.नि. 250 दिनांक 4 जून, 1994;
8. सा.का.नि. 402 दिनांक 13 अगस्त, 1994;
9. सा.का.नि. 427 दिनांक 20 अगस्त, 1994;
10. सा.का.नि. 562 दिनांक 12 नवम्बर, 1994;
11. सा.का.नि. 607 दिनांक 10 दिसम्बर, 1994;
12. सा.का.नि. 83 दिनांक 25 फरवरी, 1995;
13. सा.का.नि. 93 दिनांक 4 मार्च, 1995;

14. सा.का.नि. 488 दिनांक 9 नवम्बर, 1996;
15. सा.का.नि. 582 दिनांक 28 दिसम्बर, 1996;
16. सा.का.नि. 59 दिनांक 25 जनवरी, 1997;
17. सा.का.नि. 117 दिनांक 1 मार्च, 1997;
18. सा.का.नि. 172 दिनांक 29 मार्च, 1997;
19. सा.का.नि. 221 दिनांक 21 नवम्बर, 1998;
20. सा.का.नि. 131 दिनांक 1 मई, 1999;
21. सा.का.नि. 139 दिनांक 8 मई, 1999; शुद्धिपत्र सा.का.नि. 201 दिनांक 7 अप्रैल, 2001;
22. सा.का.नि. 237 दिनांक 31 जुलाई, 1999;
23. सा.का.नि. 345 दिनांक 23 अक्टूबर, 1999;
24. सा.का.नि. 397 दिनांक 14 अक्टूबर, 2000;
25. सा.का.नि. 219 दिनांक 14 अप्रैल, 2001;
26. सा.का.नि. 496 दिनांक 8 सितम्बर, 2001;
27. सा.का.नि. 672 दिनांक 15 दिसम्बर, 2001;
28. सा.का.नि. 127 दिनांक 13 अप्रैल, 2002;
29. सा.का.नि. 407 दिनांक 22 नवम्बर, 2003;
30. सा.का.नि. 201 दिनांक 19 जून, 2004;
31. सा.का.नि. 203 दिनांक 19 जून, 2004;
32. सा.का.नि. 265 दिनांक 7 अगस्त, 2004;
33. सा.का.नि. 32 दिनांक 29 जनवरी, 2005;
34. सा.का.नि. 66 दिनांक 26 फरवरी, 2005;
35. सा.का.नि. 67 दिनांक 26 फरवरी, 2005;
36. सा.का.नि. 423 दिनांक 24 फरवरी, 2005;
37. सा.का.नि. 27 दिनांक 4 फरवरी, 2006.

New Delhi, the 7th August, 2006

G.S.R. 201.—Whereas the draft regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published, as required by Sub-section (1) of Section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India dated the 15th April, 2006, vide notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) (Central Boilers Board), number G.S.R. 81, dated the 10th April, 2006 for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of the period of forty-five days from the date on which the copies of the said Gazette notification were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 4th May, 2006;

And whereas no objections or suggestions have been received within the specified period in respect of the amendments contained in this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923, the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Second Amendment) Regulations, 2006.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 4, in clause (c), after sub-clause (vi), the following sub-clause shall be inserted, namely:-

“(vii) For such boilers having a capacity of 20 Tons per hour and above which are required to be assembled at site, the mountings may be supplied separately. All boilers of capacity less than 20 Tons per hour shall carry all the

mountings or fittings certificates in respective forms with details mentioned in Form III, issued at the time of manufacture of boilers.”;

3. In the said regulations, in regulation 4D, for the words “three years”, the words “five years” shall be substituted.

4. In the said regulations, in regulation 154, in sub-clause (i) of clause (a), the following Note shall be inserted at the end, namely :—

“Note : For Carbon Steel material having a maximum Carbon content of 0.25%, the Post held Heat Treatment requirement for tubes welded to Header is not mandatory when all the following conditions are fulfilled, namely:—

- (a) The outer diameter (OD) of tubes is not more than 51 MM;
- (b) The outer diameter of the Header is not more than 219.1 MM;
- (c) The Header thickness is not more than 13 MM;
- (d) A minimum pre-heat of 100 °C is applied.”;

5. In the said regulations, for regulation 166, the following regulation shall be substituted, namely:—

“Internal doors:— Internal doors shall be of wrought steel in accordance with Chapter II and constructed in accordance with the following:—

- (a) doors shall be formed to fit closely to the internal joint surface and should be fitted with studs, nuts and crossbars;
- (b) doors for circular opening larger than 250mm or elliptical/rectangular opening larger than 250mm × 175mm shall have two studs but for opening of 250mm × 170mm or less only one stud may be fitted. Doors for opening not larger than 123mm × 90mm may have the stud forged integrally with door;
- (c) doors studs shall be of welding quality steel having a minimum specified tensile strength of not less than 360N/mm² and those for manholes shall be not less than 30mm;

They shall be fixed in any of the following way:—

- (1) screwed through the plate and fillet welded on inside;
- (2) fillet welded each side of the plate with a leg length of not less than 10mm;
- (3) attached to the door by an intermediate plate or lugs so that the strength of the attachment is not less than the strength of the studs and the studs are prevented from turning; or
- (4) provided with an integrated collar and be riveted or screwed onto the door plate and be prevented from turning in which case the strength of the attachment shall be not less than the strength of the studs;
- (d) door spigot when the door is in the central position shall have a clearance of approximately 105mm all around and at no point shall the clearance exceed 3mm. The spigot depth shall be sufficient to trap the gasket;
- (e) the nuts shall be of appropriate material compatible to that of bolts and be placed on the seating surface;
- (f) the cross-bars shall be of substantial proportions and of mild or wrought steel.

Note :— Eye bolts of suitable legs on the door plate or headed bolts engaging with slotted sections on the door plate may be used instead of studs.

The minimum calculated thickness of the door of the flat plat construction (i.e. unstiffened made from one plate) shall be not less than that determined by the following formula :—

$$t = \frac{0.35P \times d^2 + W}{f} \quad \text{for a circular door}$$

$$t = \frac{0.35P(2 - a/b) \times a^2 + W}{f} \quad \text{for an elliptical door}$$

where,

t is the minimum calculated thickness of the flat door (in mm)

P is the working pressure of boiler (in N/mm²)

d is the diameter of the opening to which the door is fitted, if round (in mm)

2330 9/706-6

9. PHYSICAL TEST RESULTS

Y.S. (kg/mm ²)	U.T.S. (kg/mm ²)	%Elongation	Bend Test	Flow lines/ Macro	Hardness	N.D.T.			
						Radiography	D.P.T.	M.P.T.	U.T.

10. MICROSTRUCTURE:

Strike out whichever is not applicable.

Certified that the particulars entered herein by us are correct.

The part/parts has/have been designed and constructed to comply with the Indian Boiler Regulations for a working pressure/working pressures of _____ and finally inspected on the day of _____ in presence of our responsible representative whose signature is appended hereunder :

Maker's Representative

Maker :

Designation :

Name :

Office Seal :

Designation :

We have satisfied ourselves that forgings/castings (Semis) have been constructed and tested in accordance with the requirements of the Indian Boiler Regulations, 1950. We further certify that the particulars entered herein are correct.

Name and Designation of the
Inspecting Officer who
Witnessed the test.

Name and Signature of
Inspecting Authority

Place :

Place :

Date :

Date : " "

7. In the said regulations, after regulation 278, the following regulation shall be inserted, namely :—

"278A. Internal doors :— Internal doors shall be of wrought steel in accordance with chapter II and constructed in accordance with the following :—

- (a) doors shall be formed to fit closely to the internal joint surface and should be fitted with studs, nuts and crossbars;
- (b) doors for circular opening larger than 250mm or elliptical/rectangular opening larger than 250mm × 175mm shall have two studs but for opening of 250mm × 170mm or less only one stud may be fitted. Doors for opening not larger than 123mm × 90mm may have the stud forged integrally with door;
- (c) doors studs shall be of welding quality steel having a minimum specified tensile strength of not less than 360M/mm² and those for manholes shall be not less than 30mm;
They shall be fixed in any of the following way :—
 - (1) screwed through the plate and fillet welded on inside.
 - (2) fillet welded each side of the plate with a leg length of not less than 10mm;
 - (3) attached to the door by an intermediate plate or legs so that the strength of the attachment is not less than strength of the studs and the studs are prevented from turning; or
 - (4) provided with an integrated collar and be riveted or screwed on to the door plate and be prevented from turning in which case the strength of the attachment shall be not less than the strength of the studs;
- (d) door spigot when the door is in the central position shall have a clearance of approximately 105mm all around and at no point shall the clearance exceed 3mm. The spigot depth shall be sufficient to trap the gasket;
- (e) the nuts shall be of appropriate material compatible to that of bolts and be placed on the seating surface;
- (f) the cross-bars shall be substantial proportions and of mild or wrought steel.

Note:— Eye bolts of suitable legs on the door plate or headed bolts engaging with slotted sections on the door plate may be used instead of studs.

The minimum calculated thickness of the door of the flat plate construction (i.e. unstiffened made from one plate) shall be not less than that determined by the following formula :—

$$t = \frac{0.35P \times d^2 + W}{f} \quad \text{for a circular door}$$

$$t = \frac{0.35P(2 - a/b) \times a^2 + W}{f} \quad \text{for an elliptical door}$$

where,

t is the minimum calculated thickness of the flat door (in mm)

P is the working pressure of boiler (in N/mm²)

d is the diameter of the opening to which the door is fitted, if round (in mm)

a is the minor axis of the opening to which the door is fitted if elliptical (in mm)

b is the major axis of the opening to which the door is fitted, if elliptical (in mm)

W is the full load capacity of one stud (effective stud area X design stress value at design temperature in (N)

f is the maximum allowable stress of the plate at the design temperature (in N/mm²)

Note:— A design stress of value of 50N/mm² may be used for carbon steel bolts for design temperature not exceeding 300 °C.”;

8. In the said regulations, in regulation 337, after sub-regulation (g), the following sub regulation shall be inserted, namely :—

“(h) The finning of the tubes by any method duly approved by the Inspecting Authority and subsequently inspected and certified by them shall be accepted.”.

9. In the said regulations, in regulation 385, the following shall be added at the end, namely :—

“Inspection fee for Super-heater, Re-heater and Feed water heater shall be charged at the same rate as the registration fee.

The surface area of Super heater and Re-heater shall be included in the surface area of the Boiler for the purpose of charging the fee only.”;

10. In the said regulations, in regulation 392, after clause (p), the following clause shall be inserted, namely :—

“(q) Categorisation of the Repairers.

The categorisation of the Repairer shall be as follows :

(i) IIIrd class < Boiler Pressure 17.5kg/cm²

(ii) IInd class > Boiler Pressure 17.5kg/cm² to < 40kg/cm²

(iii) Ist class > Boiler Pressure 40kg/cm² to < 100kg/cm²

(iv) Special class > Boiler Pressure 100kg/cm²

11. In the said regulations, for regulation 554, the following regulation shall be substituted, namely :—

“Manhole frames, mouthpieces and doors.—Manhole frames, mouthpieces, doors or cover plates shall be of mild steel. Frames shall be oval and where of the flanged type shall be formed to bed closely to the shell and provide a flat jointing surface to the door. Alternatively, raised circular mouthpieces may be fitted externally and where of the flanged type shall be bedded closely to the shell.

Wherever practicable, the frame shall be attached to the inside of the shell with the shorter axis parallel to the longitudinal centre line of the boiler. In all cases where the shell thickness exceeds 9/16 inch, oval frames or circular mouthpieces shall be fitted.

Oval frames and externally raised circular mouthpieces shall be either :

(a) Formed in one piece without weld, or

(b) Formed from a suitable rolled section and forge-welded, or fabricated by fusion welding, provided they are stress-relieved by heat-treatment after welding and before attaching to the boiler unless the whole boiler is to be subjected to heat-treatment on completion.

Welds shall be positioned so that they are located on the transverse centre line of the boiler. (see Regulation 556).

The joining flanges of mouthpieces and covers shall be machined on the face and edges and on the bearing surface for the bolts. Bolts and nuts shall be machined where in contact with the flanges and the joints should be formed inside and outside the pitch line or pitch circle of the bolts to preclude the possibility of flange distortion. Cover plates shall be dished outwards to a depth of approximately one-eighth of the internal diameter of the frame.

All edges shall be machined or flame-cut by machine (See Regulation 541).

Forms or manhole frames and attachments are shown in Figures XII/52, XII/53, XII/54, XII/55 and XII/56.”;

12. In the said regulations, after regulation 554, the following regulation shall be inserted, namely :—

“554A. “Internal doors :—Internal doors shall be of wrought steel in accordance with Chapter II and constructed in accordance with the following :

- doors shall be formed to fit closely to the internal joint surface and should be fitted with studs, nuts and crossbars;
- doors for circular opening larger than 250mm or elliptical/rectangular opening larger than 250mm × 175mm shall have two studs but for opening of 250mm × 170mm or less only one stud may be fitted. Doors for opening not larger than 123mm × 90mm may have the stud forged integrally with door;
- doors studs shall be of welding quality steel having a minimum specified tensile strength of not less than 360N/mm² and those for manholes shall be not less than 30mm;

They shall be fixed in any of the following way :

- screwed through the plate and fillet welded on inside;
- fillet welded each side of the plate with a leg length of not less than 10mm;
- attached to the door by an intermediate plate or lugs so that the strength of the attachment is not less than the strength of the studs and the studs are prevented from turning; or
- provided with an integrated collar and be riveted or screwed onto the door plate and be prevented from turning in which case the strength of the attachment shall be not less than the strength of the studs;
- door spigot when the door is in the central position shall have a clearance of approximately 105mm all around and at no point shall the clearance exceed 3mm. The spigot depth shall be sufficient to trap the gasket;
- the nuts shall be of appropriate material compatible to that of bolts and be placed on the seating surface;
- the cross-bars shall be of substantial proportions and of mild or wrought steel.

Note :—Eye bolts of suitable legs on the door plate or headed bolts engaging with slotted sections on the door plate may be used instead of studs.

The minimum calculated thickness of the door of the flat plate construction (i.e. unstiffened made from one plate) shall be not less than that determined by the following formula :

$$t = \frac{0.35P \times d^2 + W}{f} \quad \text{for a circular door}$$

$$t = \frac{0.35P(2 - a/b) \times a^2 + W}{f} \quad \text{for an elliptical door}$$

where,

t is the minimum calculated thickness of the flat door (in mm)

P is the working pressure of boiler (in N/mm²)

d is the diameter of the opening to which the door is fitted, if round (in mm)

a is the minor axis of the opening to which the door is fitted, if elliptical (in mm)

b is the major axis of the opening to which the door is fitted, if elliptical (in mm)

W is the full load capacity of one stud (effective stud area × design stress value at design temperature) in (N)

f is the maximum allowable stress of the plate at the design temperature (in N/mm²)

Note : A design stress of value of 50N/mm² may be used for carbon steel bolts

for design temperature not exceeding 300 °C.”;

2330 9:706-7

13. In the said regulations, in regulation 561, in clause (a), for the words "In the case of shell plates upto and including 16 feet in length the test plate may be located at one end only", the words "In the case of shell plates, the test plate may be located at one end only" shall be substituted.

[F. No. 6(10)/2005-Boilers]

V. K. GOEL, Secy.

Note :—The principal regulations were published in the Gazette of India *vide* S.O. 600, dated the 15th September, 1950 and subsequently amended *vide* notifications—

- (i) G.S.R. 178, dated the 24th March, 1990;
- (ii) G.S.R. 179, dated the 24th March, 1990;
- (iii) G.S.R. 488, dated the 9th October, 1993;
- (iv) G.S.R. 516 dated the 23rd October, 1993;
- (v) G.S.R. 634 dated the 25th December, 1993;
- (vi) G.S.R. 107 dated the 26th February, 1994; Errata G.S.R. 223 dated the 14th May, 1994;
- (vii) G.S.R. 250 dated the 4th June, 1994;
- (viii) G.S.R. 402 dated the 13th August, 1994;
- (ix) G.S.R. 427 dated the 20th August, 1994;
- (x) G.S.R. 562 dated the 12th November, 1994;
- (xi) G.S.R. 607 dated the 10th December, 1994;
- (xii) G.S.R. 83 dated the 25th February, 1995;
- (xiii) G.S.R. 93 dated the 4th March, 1995;
- (xiv) G.S.R. 488 dated the 9th November, 1996;
- (xv) G.S.R. 582 dated the 28th December, 1996;
- (xvi) G.S.R. 59 dated the 25th January, 1997;
- (xvii) G.S.R. 117 dated the 1st March, 1997;
- (xviii) G.S.R. 172 dated the 29th March, 1997.
- (xix) G.S.R. 221 dated the 21st November, 1998.
- (xx) G.S.R. 131 dated the 1st May, 1999.
- (xxi) G.S.R. 139 dated the 8th May, 1999. Errata G.S.R. 201 dated 7th April, 2001.
- (xxii) G.S.R. 237 dated the 31st July, 1999.
- (xxiii) G.S.R. 345 dated the 23rd October, 1999.
- (xxiv) G.S.R. 397 dated the 14th October, 2000
- (xxv) G.S.R. 219 dated the 14th April, 2001.
- (xxvi) G.S.R. 496 dated the 8th September, 2001
- (xxvii) G.S.R. 672 dated the 15th December, 2001.
- (xxviii) G.S.R. 127 dated the 13th April, 2002
- (xxix) G.S.R. 407 dated the 22nd November, 2003.
- (xxx) G.S.R. 201 dated the 19th June, 2004.
- (xxxi) G.S.R. 203 dated the 19th June, 2004
- (xxxii) G.S.R. 265 dated the 7th August, 2004
- (xxxiii) G.S.R. 32 dated the 29th January, 2005
- (xxxiv) G.S.R. 66 dated the 26th February, 2005.
- (xxxv) G.S.R. 67 dated the 26th February, 2005.
- (xxxvi) G.S.R. 423 dated the 24th December, 2005.
- (xxxvii) G.S.R. 27 dated the 4th February, 2006.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2006

सा.का.नि.202.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान बंगलौर में समूह 'ग' पद की भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ।—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर (प्रयोगशाला सहायक), समूह 'ग' पद भर्ती नियम, 2006 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान।—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्तरमध्ये 2 से स्तरमध्ये 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अहंताएं आदि।—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तरमध्ये 5 से स्तरमध्ये 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहता।—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधा हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. आरप्तिक गठन : राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान बंगलौर में उपर दर्शित पद में इन नियमों की प्रारम्भ की तारीख को नियमित आधार पर उक्त पद धारण करने वाले व्यक्ति इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार उस पद पर नियुक्त किए गए समझे जाएंगे और ऐसे प्रारम्भ से पूर्व उनके द्वारा की गई नियमित सेवा को परिवीक्षा अवधि, पुष्टि और पेंशन के लिए अहंक सेवा के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

6. शिथिल करने की शक्ति।—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ती या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृति।—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन	सेवा में जोड़े गए वर्षों	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. प्रयोगशाला सहायक	*2(2006)	साधारण केन्द्रीय	रु. 3200/-	अचयन	लागू नहीं होता	18 से 27 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार विभागीय अध्याधियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)
		*कार्यभार के सेवा, समूह 'ग'	4900			
		आधार पर परि-				
		अराजपत्रि,				
		वर्तन किया जा				
		अनुसूचितीय				
		सकता है।				

1. प्रयोगशाला सहायक	*2(2006)	साधारण केन्द्रीय	रु. 3200/-	अचयन	लागू नहीं होता	18 से 27 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार विभागीय अध्याधियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)
		*कार्यभार के सेवा, समूह 'ग'	4900			

(7)

टिप्पणि 1 : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अध्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहोल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप या लक्ष्मीद्वीप के अध्यर्थियों के लिए विहित की गई हैं)।

टिप्पणि 2. रोजगार कार्यालयों से अध्यर्थियों की दशा में, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस पर रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अहताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अहताएं ग्रोन्त व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

(8)

(9)

(10)

- (i) किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड से मैट्रिक या समतुल्य या चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीकज्ञ में डिप्लोमा या 10+2 या किसी मान्यताप्राप्त संस्था से व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र;
- (ii) मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला में एक वर्ष का अनुभव।

लागू नहीं होता

दो वर्ष

वांछनीय : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. एससी.

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या ग्रोन्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता

ग्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे ग्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जाएगा

(11)

(12)

50 प्रतिशत ग्रोन्ति और 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

ग्रोन्ति द्वारा :

2650-4000 रुपए के वेतनमान में प्रयोगशाला परिचर जिसकी उस श्रेणी में सात वर्ष की नियमित सेवा हो; और 2610-3540 रुपए के वेतनमान में पशु परिचर जिसकी उस श्रेणी में नौ वर्ष की नियमित सेवा हो।

टिप्पणि.—जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में जिन्होंने अपनी अहंक/ यात्रा

(12)

सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्नति के लिए विचार किया जा रहा हो वहाँ उनके ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा परंतु यह तब जब कि उसके द्वारा की गई ऐसी अर्हक/ पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक/ पात्रता सेवा के आधे से अधिक से या दो चर्च से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो और उन्होंने अपने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित उनकी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर ली है।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

(13)

समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति (चयन और पुष्टि के संबंध में)

विचार करने के लिए-

1. अपर निदेशक, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बैंगलोर —अध्यक्ष
2. संस्थान से बाहर का राजपत्रित अधिकारी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व करे —सदस्य
3. संबोधित अनुभाग का अनुभाग अधिकारी, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बैंगलोर —सदस्य
4. प्रशासनिक अधिकारी, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बैंगलोर —सदस्य

(14)

लागू नहीं होता।

स्पष्टीकरण झापेन: राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बैंगलोर (प्रयोगशाला संहायक) भर्ती नियम, 2006 राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे। तथापि, विद्यमान पदधारियों की सेवाओं को नियमित करने की दृष्टि से ये नियम भूतलक्षी प्रभाव से प्रवृत्त होंगे। प्रभागित किया जाता है कि इन नियमों को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से विद्यमान पदधारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[फा. सं. ए-12018/7/95-टीबी/ सीसीडी]

बी. के. शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 8th August, 2006

G.S.R. 202.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' post in the National Tuberculosis Institute, Bangalore, namely :—

1. **Short Title and commencement.**—(1) These rules may be called the National Tuberculosis Institute, Bangalore (Laboratory Assistant), Group, 'C' Post Recruitment Rules, 2006.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Number of post, classification and scale of pay.**—The number of said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
3. **Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc.**—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.
4. **Disqualification.**—No person,—
 - (a) who, has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
 shall be eligible for appointment to the said post :

2330 4706-8

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rules.

5. Initial Constitution.—Persons holding the post mentioned above on regular basis in the National Tuberculosis Institute, Bangalore, on the date of commencement of these rules shall be deemed to have been appointed to the said post in accordance with the provisions of these rules and the service rendered by them in that post before such commencement shall be counted for the purposes of probation, confirmation and pension.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Laboratory Asstt. 2 *(2006) *Subject to variation dependent on workload.		General Central Service, Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 3200- 4900.	No-Selection	Not applicable
Age limit for direct recruits		Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
(7)	(8)	(9)	(10)		
18 to 27 years. (Relaxable upto 35 years for departmental candidates in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government from time to time).	(i) Matriculation or equivalent from a recognised Board or Diploma in Medical Laboratory Technician or 10+2 vocational training course certificate from a recognised Institute. Note 1 : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Laddakh Division of Jammu and Kashmir, State Lahaul and Spiti Districts and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshdweep). Desirable : B.Sc. from a recognised University.	(ii) One year experience in the recognised Laboratory.	Not applicable	Two years	

(7)

Note 2 : In case of recruitment made through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.

Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or absorption and percentage of the posts be filled by various methods

In case of recruitment by promotion or deputation or absorption, grades from which promotion or deputation or absorption to be made

(11)

50% by promotion and 50% by direct recruitment

(12)

By Promotion : from Laboratory Attendant in scale of pay of 2650-4000 with seven years regular service in the grade, and from Animal Attendant in the scale of pay of 2610-3540 with nine years of regular service in the grade.

Note : where juniors who have completed their qualifying/eligibility service or being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying/eligibility service by more than half of such qualifying/eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their probation period for promotion to the next higher grade along with their juniors who have already completed such qualifying eligibility service.

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

(13)

(14)

Group 'C' Departmental Promotion Committee (for selection and confirmation) consisting of :

Not applicable

1. Additional Director, National Tuberculosis Institute, Bangalore
2. Gazetted Officer representing from SC or ST or OBC from outside the Institute
3. Section Officer of the concerned section, National Tuberculosis Institute, Bangalore
4. Administrative Officer, National Tuberculosis Institute, Bangalore

—Chairman
—Member
—Member
—Member

Explanatory : Memo—National Tuberculosis Institute, Bangalore (Laboratory Assistant) Recruitment Rules, 2006 takes effect from the date of publication in the Gazette of India. However, rule comes into force from retrospective effect with a view to regularize the services of existing incumbents. It is certified that by giving retrospective effect to rule, the interest of existing incumbents are not likely to be adversely affected.

[F. No. A-12018/7/95-TB/CCD]
V. K. SHARMA, Under Secy.